व्यापारी में नैतिक जागृति लाने की जरुरत है और यह आध्यात्मिकता ही गोल्डन चाबी है : भ्राता हितेशभाई बगडाई

राजकोट । 9 में ,2010 :'राजकोट चेम्बर ओफ कोमर्स & इन्ड'. के प्रेसिडन्ट भ्राता हितेशभाई ने अपने उद्‌बोधन में बताया की आज व्यापार मे ईमानदारी जरुरी है किंतु उसकी विश्वसनियता का ग्राफ नीचे उतरता जा रहा है। इस प्रकार के सेमिनार की आज बहुत जरुरी है। अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करना पडेंगा।

परिवर्तन के माहोल में आंतरिक परिवर्तन जरुरी है। हमारे जीवन में जो अंतर है...उसको मिटाने के लिये आध्यात्मिक्ता एक ब्रीज के समान है। यह बात मुम्बई के राजयोगा शिक्षीका ब्र.कु. दीपाबहन ने **'आध्यात्मिक्ता द्वारा व्यापार और उधोग में सफलता'** इस विषय पर आयोजित स्नेह मिलन में रखी। उन्होंने आगे कहा की हमारे संबंध, स्वयं, व्यापार और चुनैतिओ का सामना करने के लिये आतंरिक शक्तिओ और मूल्यो को जागृत करना जरुरी है ।

'राधेगृप ओफ एनर्जी, राजकोट' के चेरमेन भ्राता डो. शैलेषभाई मांकडीया ने बताया की हमें राजयोग से व्यापार में सफलता अवश्य मिलती है। मेडीटेशन की महत्वता को जानकर इनर पावर को जागृत करना चाहिये। नही तो आज देखा जाता है लोग अपने सेल्फ सेंटर को ही खो चुके है। जिससे मुक्त होने के लिये आध्यात्मिक बल ही एकमात्र साधन है।

भ्राता मोरडिया साहेब ने अपने वक्तव्य में कहा कि सबकुछ जानते हुए भी घन -वैभव हर चीज को प्राप्त करने बावजुद भी आज हम खालीपन महेसुस करते है। हमे उसके लिये आध्यात्मिकता का सहारा लेना ही चहिये।

ब्रह्माकुमारीज बिझनेस-इन्डस्ट्री विंग के कोर्डीनेटर, राजकोट सबजोन संचालिका ब्र.कु.भारतीदीदी ने कहा कि व्यापार का दुसरा नाम है एक्सचेंज- एक का अनेक गुना प्राप्त करना। पक्का और सच्चा व्यापारी तो वह जो भगवान से भी व्यापार करे। जिससे हमारा अविनाशी नाता है, वो हमारा अविनाशी पिता है, जिससे अविनाशी खजाने प्राप्त करने का अभी सीझन है।

राजयोग शिक्षीका ब्र.कु. अंजुबहन ने राजयोग की विधि बताकर परमात्म सानिध्य की सुंदर यात्रा कराई।

ब्र.कु. प्रितिबहन (मुम्बई) ने संस्था तथा बिझनेस विंग से अवगत कराते कहा की इस विद्यालय का मूख्य सूत्र है- स्वपरिवर्तन से विश्वपरिवर्तन । और हमारे जीवन में मूल्यों को उजागर करने के लिये परमात्मा स्वयं हमे गाइड करते है।

इस कार्यक्रम में व्यापार और बिझनेस से जुडे 350 व्यापारीओ ने भाग लिया। दीदीजी के वरद् हस्तो से सभी को गोडली गिफ़्ट भी दी गई।

कार्यक्रम की शरुआत प्रभुपिता की याद से हुई... भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार फुलोसे , बेझ से और कु. हिनाक्षीने नृत्य के साथ स्वागत किया।

इस कार्यक्रम का सफल संचालन ब्र.कु.कश्यपभाई ने किया।